>

Title: Need to develop Paharpur and other backward regions of Misrikh Parliamentary Constituency in Uttar Pradesh.

श्री अशोक कुमार रावत (मिसरिख): उत्तर प्रदेश राज्य का मिसरिख संसदीय क्षेत्र एक अनुसूचित जाति बाहुल्य पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। मिसरिख व इसके निकटवर्ती क्षेत्रों में पासी समाज की एक बहुत बड़ी जनसंख्या है। इस क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पहाड़पुर, ब्लॉक भरावन, तहसील सण्डीला, जनपद हरदोई में पासी समाज के महान व्यक्ति, जो मदारी पासी के नाम से विख्यात है, की समाधि है। ये आजादी एका आंदोलन के दौरान एक महान स्वतंत्रता सेनानी के रूप में प्रसिद्ध रहे हैं और आजादी के एका आंदोलन में अपनी एक बहुत बड़ी भूमिका अदा की है। यह अनुसूचित जाति के पासी समाज के लिए ही नहीं बल्कि दलित वर्ग के सभी समुदायों के लिए एक अति गर्व की बात है।

अनुसूचित जाति के इस महान स्वतंत्रता सेनानी के समाधि स्थल पहाड़पुर व इसके निकटवर्ती क्षेत्रों का विकास किए जाने के साथ-साथ पासी समाज का भी विकास किए जाने की आज के समय की आवश्यकता है। ऐसा करने से न केवल इस क्षेत्र का पिछड़ापन दूर होगा, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के एका आंदोलन के प्रसिद्ध मदारी पासी के व्यक्तित्व को लोग आचरण में लाकर समाज व देश को प्रगति की राह पर लाने का प्रयास करेंगे।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह पासी समाज के मदारी पासी के समाधि स्थल पहाड़पुर व उसके निकटवर्ती क्षेत्रों का विकास कर उसकी याद में पासी समाज के कल्याण हेतु एक कारगर योजना केन्द्रीय स्तर पर तैयार करके उसे शीघ्र क्रियान्वित किए जाने हेतु समुचित कदम उठाएं।